Department of political science By- DR. A.K. YADAV (Asst. prof. GT)
D.B. College Jaynagar. political Science

Lecture – 09 BA. part -III (Pub- Admini-

Date – 09/09/2020

लोक प्रशासन के अध्ययन के उपागम
(Approaches of the study of public Administration)

लोक प्रशासन के अन्तर्गत अध्ययन के अनेक उपागमों में कुछ प्रमुख उपागमों का संक्षिप्त विवेचन निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। —

① दार्शनिक उपागम — (philosophical Approach) = दार्शनिक उपागम को लोक प्रशासन के अध्ययन के उपागमों में सर्वाधिक प्राचीन एवं वर्णनात्मक उपागम माना जाता है। इस उपागम के द्वारा काल्पनिक व मूल्यात्मक विवेचन के माध्यम से लोक प्रशासन का अध्ययन किया जाता है। इस उपागम के समर्थकों में प्राचीन यूनानी विचारक तथा राजनीतिक दार्शनिक जनक प्लेटो के साथ—साथ ब्रिटिश समझौता—वादी विचारक थामस हाब्स और जॉन लॉक का नाम लिया जा सकता है। प्राचीन व आधुनिक विचारकों में क्रमशः कौटिल्य व विवेकानन्द प्रमुख हैं।

② ऐतिहासिक उपागम (Historical Approach) — लोक प्रशासन का एक अन्य प्राचीन उपागम ऐतिहासिक उपागम है। जिसके अन्तर्गत ऐतिहासिक सन्दर्भ में लोक प्रशासन की प्रकृति और क्षेत्र को समझने का प्रयास किया जाता है। वस्तुतः इस उपागम की मान्यता यह है कि वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था की जड़ इतिहास में है

Scanned with CamScanner

इस-लिये इतिहास को अनदेखा करके किसी भी प्रशासनिक व्यवस्था का अध्ययन सम्भव नही है। आधुनिक विदेशी विद्वान L.D. White और प्राचीन भारतीय विद्वान कौटिल्य ने भी इस उपागम के माध्यम से लोक प्रशासन को समझने का प्रयास किया है तथा अपनी प्रमुख रचनाओं में इस पद्धति को महत्वपूर्ण आधार बनाया है।

③ वैधानिक उपागम (Legal Approach) = वैधानिक उपागम के द्वारा लोक प्रशासन के अध्ययन मे वैधानिक संरचना पर अधिक बल दिया जाता है। वस्तुतः इसके नामकरण के अनुरूप इसकी यही मान्यता काम करती है यह उपागम लोक प्रशासन को कानून का एक भाग मानता है। इसलिये यह वैधानिक संरचना या कानून क्रियान्वयन पर विशेष जोर देता है। तथा इन्ही के परिप्रेक्ष्य में लोक प्रशासन का अध्ययन भी करता है। इस उपागम के महत्वपूर्ण समर्थक अमेरिकी लोक प्रशासन के जनक F.J. Gudnow थे है। फ्रान्स, जर्मनी, बेल्जियम जैसे महाद्वीपीय देशो में इसका आधुनिक प्रयोग होता है। अमेरिका, ब्रिटेन में भी इसके प्रयोग की वकालत की जा रही है।

④ केस पद्धति पर आधारित उपागम (Approach based on case method) ⇒ केस पद्धति पर आधारित उपागम भी एक नवीन उपागम है। जिसका प्रयोग अमेरिका तथा भारत मे हो रहा है। इस उपागम के अन्तर्गत किसी विशेष घटना के परिप्रेक्ष्य में लोक प्रशासन को समझने का प्रयास किया जाता है। इस उपागम के समर्थक विद्वानों मे—

Scanned with CamScanner

H. Stine तथा D. Waldo का नाम लिया जा सकता है।

लोक प्रशासन के अध्ययन में उपर्युक्त उपागमों का प्रयोग होता है। लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं है कि लोक प्रशासन के अध्ययन में अन्य उपागम नहीं हैं। लोक प्रशासन में अध्ययन के अन्य उपागम भी हैं — संरचनात्मक उपागम, वैज्ञानिक प्रबन्ध उपागम, मानव सम्बन्ध उपागम, व्यवहारवादी उपागम, व्यवस्था उपागम, तुलनात्मक पद्धति उपागम पारिस्थितिकीय उपागम, लोकचयन उपागम, आदि जिनका वर्णन आगे चलकर विस्तृत रूप से किया जायेगा।

समाप्त

Scanned with CamScanner